collaborations are required to file the requisite documents with the RBI within 30 days after issue of shares to the foreign investors.

औद्योगिक विकास दर

2176. **श्री अखिलेश दास:**
श्री रहसबिहारी बारिक:

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1997-98 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश की औद्योगिक विकास दर कितनी दर्ज की गई;

(ख) घरेलू स्तर पर यह विकास दर कितनी थी;

(ग) क्या विकास दर में वृद्धि या कमी पाई गई है;

(घ) वर्ष 1995-96 तथा 1996-97 की तुलना में यह विकास दर कितनी है और क्या इसमें कोई गिरावट आई है;

(ङ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(च) क्या राज्यों का विकास दर में अत्यधिक असमानता है?

उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त): (क) से (ङ) औद्योगिक उत्पादन के सूचकांक के अनुसार अभिवृद्धि दर (आधार 1993-94=100) वर्ष 1995-96, 1996-97 और 1997-98 के लिए क्रमशः 12.7, 5.6 और 6.6 प्रतिशत थी। अभिवृद्धि दर 1996-97 में घट गई थी जो 1997-98 में बढ़ गई।

(च) राज्यों की अभिवृद्धि दरें तुलनात्मक नहीं है क्योंकि सूचकांक जारी करने संबंधी आधार वर्ष, अवधि, प्रयुक्त डाटा स्त्रोत आदि की पसंद में अन्तर होता है।

कुछ राज्यों में प्रधान मंत्री रोजगार योजना और नेहरू रोजगार योजना की असफलता

2177. **श्री चीमनभाई हरीभाई शुक्ला:**

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि बैंकों के असहयोग और अप्रभावी कार्यकरण के कारण उड़ीसा, मध्य प्रदेश और गुजरात के नगरपालिका क्षेत्रों में प्रधान मंत्री रोजगार योजना और नेहरू रोजगार योजना पूर्णतया असफल रही है;

(ख) क्या इन राज्यों के कुछ हिस्सों में इन योजनाओं का प्रभावी प्रचार नहीं किया गया था;

(ग) क्या इस असफलता में राजय सरकारें भी उत्तरदायी है;

(घ) यदि हां, तो इन सभी कारकों के संबंध में किए गए अध्ययन का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) वर्ष 1993-94, 1994-95, 1995-96 तथा 1996-97 के दौरान विशेष रूप से उड़ीसा, मध्य प्रदेश और गुजरात के शहरों की वास्तविक स्थिति क्या है?

उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त): (क) (घ) प्रधान मंत्री रोजगार योजना को उड़ीसा, मध्य प्रदेश और गुजरात के शहरी क्षेत्रों में संतोषजनक ढंग से क्रियान्वित किया गया है। इन राज्यों द्वारा दी गयी सूचना के अनुसार, इस योजना को अखबारों तथा इलेक्ट्रोनिक मीडिया में प्रचारित किया गया था।

अक्तूबर, 1989 से नवंबर, 1997 तक शहरी कार्य तथा रोजगार मंत्रालय द्वारा नेहरू रोजगार योजन क्रियान्वित की गयी थी। कुछ राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से बैंकों द्वारा सहयोग प्रदान न करने की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। तथापि, मध्य प्रदेश और उड़ीसा ने अपने वास्तविक लक्ष्यों को पार किया है, जबकि गुजरात में उपलब्धियां लक्ष्य से कम रही।

"शहरी और पर्यावरण संबंधी क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र' द्वारा गुजरात के कुछ चुनिंदा कस्बों में नेहरू रोजगार योजना के क्रियान्वयन पर किये गये अध्ययन के मसौदे पर आधारित निष्कर्षों का विवरण विवरण-I में दिया गय है। (नीचे देखिए)

(ङ) प्रधानमंत्री रोजगार योजना, जिसे 02.10.199: से क्रियान्वित किया जा रहा है, 1993-94 के दौरान देश के शहरी क्षेत्रों में क्रियान्वित की गयी थी। 1994-95 से इस योजना को देश के शहरी तथा ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में क्रियान्वित किया जा रहा है। राज्यों द्वारा यह सूचित किया गया है कि 1993-94, 1994-95, 1995-9(और 1996-97 के दौरान उड़ीसा, मध्य प्रदेश औ गुजरात राज्यों में प्रधानमंत्री रोजगार योजना के लक्ष्य और उपलब्धियों को दर्शाने वाला विवरण विवरण-II प है। (नीचे देखिए)

उड़ीसा, मध्य प्रदेश और गुजरात के लिए 1993-94, 1994-95, 1995-96 और 1996-97 के दौरान, नेहरू रोजगार योजना के लक्ष्य और उपलब्धिय दर्शाने वाला विवरण विवरण-III पर है।

विवरण-I

शहरी तथा पर्यावरण अध्ययन, मुम्बई के लिये क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा नेहरू रोजगार योजना के कार्यान्वयन पर गुजरात के चुनिंदा शहरों में अध्ययन के मसौदा रिपोर्ट से निकाले गये निष्कर्ष।

(1) शहरी निर्धन लाभ-भोगियों का पता लगाने के सर्वेक्षण उचित ढंग से नहीं किये गये;

(2) इस योजना का अधिकाधिक प्रचार नहीं किया गया;

(3) बैंकों द्वारा ऋण आवेदनों को एकमुश्त निरस्त करने के बारे में लगातार शिकायतें थीं;

(4) लगभग 50% लाभ-भोगी शहरी निर्धनता के माप-दण्ड पूरा नहीं किए थे।

विवरण-II

राज्यों की सूचना के अनुसार 1993-94, 1994-95, 1995-96 तथा 1996-97 के दौरान उड़ीसा, मध्य-प्रदेश तथा गुजरात में प्रधानमंत्री रोजगार योजना के लक्ष्य तथा उपलब्धियां***

वर्ष	उड़ीसा(*)		मध्य प्रदेश(**)		गुजरात(*)	
	लक्ष्य (सं०)	उपलब्धियां (बैंकों द्वारा जिन व्यक्तियों को ऋण स्वीकृत किया गया उनकी सं०)	लक्ष्य (सं०)	उपलब्धियां (बैंकों द्वारा जिन व्यक्तियों को ऋण स्वीकृत किया गया उनकी सं०)	लक्ष्य (सं०)	उपलब्धियां (बैंकों द्वारा जिन व्यक्तियों को ऋण स्वीकृत किया गया उनकी सं०)
1993-94	865	842	2710	2992	1870	527
1994-95	3248	2467	20000	21840	3590	2895
1995-96	3603	3615	27050	31566	5387	5117
1996-97	3393	3463	27050	33604	5387	4302

* केवल शहरी क्षेत्रों के लिये लक्ष्य तथा उपलब्धियां

** शहरी तथा ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों के लिये लक्ष्य तथा उपलब्धियां 1993-94 को छोड़कर जब यह योजना केवल शहरी क्षेत्रों में लागू थी।

*** उद्योग मंत्रालय द्वारा इस योजना की शहरी स्तर पर निगरानी नहीं की जाती है।

विवरण-III

लक्ष्य तथा उपलब्धियों के सम्बन्ध में**

शहरी कार्य तथा रोजगार मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित नेहरू रोजगार योजना के अन्तर्गत लघु (माइक्रो) उद्यम स्थापित करने के लिये सहायता प्राप्त लाभ-भोगियों की संख्या

वर्ष	उड़ीसा		मध्य प्रदेश		गुजरात	
	लक्ष्य	उपलब्धियां(*)	लक्ष्य	उपलब्धियां(*)	लक्ष्य	उपलब्धियां(*)
1993-94	3805	1214	13500	32072	2550	2630
1994-95	2570	—	10770	—	2450	1663
1995-96	2800	6223	9529	16019	4397	1777
1996-97	—	3408	7944	16581	—	1512
जोड़	9175	10845	41743	64672	9397	7582

* उपलब्धियों में अक्टूबर, 1989 में योजना आरम्भ करने के पूर्व वर्षों से आनीत अप्राप्त लक्ष्य भी शामिल हैं।

** शहरी कार्य तथा रोजगार मंत्रालय शहरी स्तर पर प्रगति की मानीटरी नहीं किये हैं।